**Pre-Nicene Teaching on Sin Grid** – April 2024

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  |  | **Legend for Cells** |
| Si1. Man fell when Adam or Eve ate the fruit Rm5:12 | Si11. The sinful provoke God 1 Cor 10:22; Heb 3:16 | **W** = Wrote explicitly on this teaching |
| Si2. Adam & Eve covered themselves for shame | Si12. We were dead in sin. Rom 7:9; Eph 2:1,5; Col 2:13 | **I** = Implied this is true or opposite is false |
| Si3. We have or inherited a sinful nature Rom 3:10,23; 5:12-19 | Si13. Some people’s conscience is seared as with a hot iron 1 Tim 4:2;Jms2:10 | **N** = Implied since accepted Nicene Creed |
| Si4. All have sinned Rom 3:23 | Si14. Hardness of people’s hearts Eph 4:18-19 | **J** = Mentioned as by Jesus, not John |
| Si5. Those who sin are sin’s servants/slaves Jn8:34 | Si15. Works of the flesh / sinful nature Gal 5:19-20 | Q = Quote of 1 or more verses |
| Si6. People have guilt Jn 9:41; Heb 10:2,22; Jms 2:10 | Si16. Ezekiel 18 referring to an individual Ezek 18 | m = Mixed: some agree, others did not |
| Si7. Reason/understanding darkened Rom 1:21-24 | Si17. World’s wisdom is foolishness to God 1 Cor 1:20 | ½ = quote of ½ a verse A = Allusion |
| Si8. People are corrupted/corruptible 1 Cor 15:42-53 | Si18. Cross/resurrection foolish to the world 1Cor1:23 | P = partial |
| Si9. People are hardened Ps 95:8; Rom 9:18; 11:25 | Si19. People deceive others Eph 5:6-7 | - = no reference found |
| Si10. Idolators / sinners are shameful Dan 9:7-11,16 | Si20. Some deceive themselves.Jer37:9;Gal6:3;Jms1:26 | **X** = Disagree blank = not researched yet |

Rows: blue=Bible manuscript, white=Christian writer, khaki=spurious, green=heresy, orange=schism, pink=strange writer, yellow=foreign missions, **red**=Christians persecuted, **brown**=Christians persecuting

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Christian writer, heretic, or Bible manuscript | Pages | Date A.D. | Si1 | Si 2 | Si 3 | Si 4 | Si 5 | Si 6 | Si 7 | Si 8 | Si 9 | Si 10 | Si 11 | Si 12 | Si 13 | Si 14 | Si 15 | Si 16 | Si 17 | Si 18 | Si 19 | Si 20 |
| **Nero and Domitian persecute Christians** |  | **50 & 95/96** | est. 500K Christians. Labeled atheists & killed for refusing to worship emperor/idols | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Clement of Rome (wrote *1 Clement*) | **16.5** | 96/98 | - | - | - | **W** | - | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - |
| An estimated 500,000 or 800,000 Christians | | by 100 A.D. | per *Ante-Nicene Fathers* vol.4 p.126 or *World Christian Trends AD 30-2200 AD* p.18 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Papias of Hierapolis, disciple of John | **2** | 95-110 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| “Presbyters” (Papias?) | **0.5** | -95-117 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Ignatius disciple of John (shortest version) | **13** | c.100-117 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Trajan persecutes Christians** |  | **107-117** | Answered Pliny the Younger’s letter. Christians not hunted, but killed if found. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Didache* (=*Teaching of the Twelve Apostles*) | **4.75** | c.60-120 | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Apology of Aristides* (Greek version) | **4** | 125or138-161 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Quadratus of Athens fragment (apologist) | **.125** | 126 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Epistle of Barnabas* | **12.5** | c.70-130 | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Hadrian persecutes Christians and Jews** |  | **118 & 134** | Hadrian loved Greek culture, and he persecuted both Jewish and Christian people. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Testaments of the Twelve Patriarchs* | **29** | 70-135 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Bar Cochba persecutes Christians** |  | **135** | Christians persecuted in Israel because they would not join Bar Cochba’s revolt. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p52 Jn 18:31-33,37f-38 (5 verses) | | *-138* | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *2 Clement* (anonymous writer) | **5.75** | 120-140 | - | - | - | - | - | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p87 Phm 13-15,24-25 (5 verses) | | *100-150* | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p46 Chester Beatty II - (70%) Paul, Heb (1,680 verses) | | 100-150 | - | - | **W** | - |  | - | **W** | - | - | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** |
| Akhmin *Apocalypse of Peter* (Greek) | **2** | 135,100-150 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p104 Mt 21:34-37,43-45(?) | | 150 | - | - | - | - | - |  |  |  |  | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p98 Revelation 1:13-2:1 (9 verses) | | 150? | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| First churches in Morocco, Portugal, & south Germany | | c.150 | according to *World Christian Trends AD 30-AD 2200* p.113 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Polycarp *to the Philippians* | **3.5** | 100-155 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Epistle to Diognetus* (=*Mathetes to Diognetus*) | **5.25** | c.130-200 | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Apostolic fathers totals: all symbols except P | **67.5** | -155 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 | 2 | 1 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| *The Epistle of the Apostles*. Against Cerinthus, Simon, and Gnostics. Canonical in the Ethiopic Orthodox Tawahedo Church | **9.8** | 2nd century |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Leucius Charinus *Acts of John* (bedbugs) | **24.7** | 2nd century |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| *Gospel of Mary* (ms. p463 is 200-250 A.D.) | **1** | 2nd century | - | - | - | *-* |  | - | - | - |  |  |  |  | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Shepherd of Hermas* | **46.5** | c.115-155 | - | - | - | - | - | **W** | - | **W** | **W** | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - |
| Justin Martyr, philosopher, apologist | **137** | c.138-165 | **W** | - | **I** | **W** | - | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | - | P | - | - | - | - |
| Evarestus *Martyrdom of Polycarp* | **5** | c.169 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Marcion of Pontus, pupil of Cerdo/Cerdon. Apelles & Prepon from Marcion. | | before 170- | Gnostics believed Creator was evil or foolish, rejected Old T., mixed in paganism. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Menander then Satorninos/Saturnilus (ascetic Gnostics) | | c.150-4th cen. | Cerdo & Menander from Simon in Acts. Encratite Gnostics came from Saturnilus. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Dionysius of Corinth (wrote against Marcion) | **.333** | 170 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Tatian's *Diatessaron* | **86** | c.172 | - | - | - | - | **W** | P | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - |
| Tatian, Encratite Gnostic later | **18** | c.172 | **W** | - | - | *-* | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| First Christians in Austria | | 174 | according to *World Christian Trends AD 30-AD 2200* p.113 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Basilides & his pupil Isidorus, changed from Menander 's teaching | **2.5** | 132-135-4th | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Sethians/Borborites (libertine Gnostics) | **20** | c.150-4th cen. | P | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Hermetic Gnostics (no mention of Christ) | **6** | c.150-4th cen. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Valentinians including Heracleon, Colorbasus, Marcus, & *Ptolemy* | **23+*12*** | c.150-4th cen. | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Other gnostics: Cainites, Carpocrates, Docetics, Peretae, Cerinthus, Dositheus, Monoimus, Hermogenes, Marcillinians, Melchisedecians, Nicolaus, Ophites, Secundus/Epiphanes | **37** | c.150-4th century | - | **W** | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p66 Bodmer II Papyri - 92% of John (817 verses) | | c.125-175 | - | - | - | **W** |  | - | **I** | - | - | - | - | - | - | - |  | - |  |  |  |  |
| p4 Luke 1:58-59; 1:62-2:1,6-7; 3:8-4:2,29-32,34-35; 5:3-8; 5:30-6:16 p64 Mt 26:7-8,10,14-15,22-23,31-33 p67 Mt 3:9,15; 5:20-22,25-28 (95 verses) | | c.150-175 | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | **W** | - |  |  | - |  |  |  |  |
| p90 Jn 18:36-19:7 (11 verses) | | c.175 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Christians of Vienna and Lugdunum (Lyons) | **6.5** | 177 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Athenagoras (apologist) | **33.5** | 177 | - | - | - | - | - | **W** | - | **I** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Persecution of Marcus Aurelius** |  | **162/166-180** | Stoic philosopher. Persecution, mainly in Gaul, ended when he died. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Melito/Meleto of Sardis (Quartodecimian) | **11** | 170-177 | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Claudius Apollinaris of Hierapolis | **0.5** | 160-177/180 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Hegesippus (chronicler) | **2.5** | 170-180 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Rhodon (against Marcion and Apelles) | **0.5** | 180 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theophilus of Caesarea | **.125** | 180 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theophilus of Antioch (*to Autolycus*) | **32** | 168-181/188 | **W** | **W** | - | - | - | - | **I** | **I** | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - |
| Ebionite *Clementine Homilies* (Law, Father, Son) | **123.5** | -188- | **W** | - | **W** | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - |
| Ebionite *Letter of Peter to James* | **2** | -188- | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - |
| Ebionite *Letter of Clement to James* | **4.5** | -188- | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - |
| Early Christians warning about Ebionites | **1** | 182-325 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - |
| Irenaeus *Proof of Apostolic Preaching* | **22.75** | c.160-202 | - | - | **I** | - | - | - | **W** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Irenaeus of Lyons, disciple of Polycarp | **262** | 182-188 | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - | - | - | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | **W** | **W** |
| Pantaenus of Alexandria visited India | | 189 | Visited the Malankara church in India. They used the Gospel of Matthew in Hebrew. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Gospel of Peter* (Serapion finally against it) | **2** | 180-190 | - | - | - | *-* | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - |
| Maximus of Jerusalem (wrote on origin of evil) | **5** | 185-196 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Polycrates of Ephesus (Quartodecimian) | **0.5** | 196 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Christians in Bactria, Hindu Kush, and Kurdistan | | 196 | according to *World Christian Trends AD 30-AD 2200* p.113 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p32 (=P. Rylands 5) Titus 1:1-15; 2:3-8 (21 verses) | | 150-200 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p103/p77 Mt 13:55-57; 14:3-5; 23:30-39 (10 verses) | | 200 | - | - | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Gaius of Rome started the Alogi heresy | **0** | c.200 | Claimed the Gospel of John and Revelation were by Cerinthus, not John | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p23 James 1:10-12, 15-18 (7 verses) | | ca.200 | - | - | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| An estimated 2 million Christians | | by 200 A.D. | According to the *Ante-Nicene Fathers* vol.4 p.126 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Passion of the Scillitan Martyrs* -died 180 A.D. | **0.75** | 180-202 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - |
| Caius and the Muratorian Canon | **3** | 190-217 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Sabellian heresy (Praxeas, Noetus) | | c.200-257- | Patripassians believed the Father, Son, & Spirit were one person. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Zephyrinus & Callistus of Rome (adoptionists) | | 199-222 | God came upon the human man Jesus. Callistus excommunicated Sabellius. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **Persecution of Septimus Severus** | | **202** | est. 2M Christians. A Christian helped him when ill, but did not repeal existing laws. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Passion of Perpetua and Felicitas* | **7** | c.201/205 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Acts of Paul and Thecla* (Tertullian said faked by a presbyter) | **6** | before 207 |  |  |  |  | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |
| **Romans kill first known martyrs in Britain** | | **209** | Alban, Julius, and Aaron were formerly thought killed in 304/5 A.D. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Epitaph of Abercius of Hieropolis in Phrygia Salutaris | **0.125** | 190-210 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Serapion of Antioch (against Marcion) | **.333** | 191/200-210 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Minucius Felix (*The Octavius*) | **25** | 210 | - | - | - | - | - | **I** | - | - | - | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Apollonius of Ephesus (against Montanists) | **1** | c.210 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Judah the Prince compiled the Jewish Mishnah |  | 189-217 | Oral traditions of the Pharisees were written down & became part of the Talmud | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Clement of Alexandria *Stromata* | **245.75** | 193-202 | **W** | - | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | **W** | - | - | **W** | - | **W** | - | - | **W** |
| Clement of Alexandria *Exhort. to the Heathen* | **34.75** | c.195 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - |
| Clement of Alexandria (remainder) | **109** | 193-217/220 | **W** | - | - | - | - | - | **W** | - | - | **W** | **W** | **W** | - | **W** | - | **W** | - | - | - | - |
| Tertullian (joined the Montanist Church) | **692.75** | 198-220 | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - |
| Tertullian’s *5 Books Against Marcion* | **194** | 207/208 | **W** | - | - | - | - | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | **W** | **W** | - | **W** | - | - | - |
| Tertullian: *On Monogamy*, *On Modesty* | **41.25** | 208-220 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - |
| p75 Lk 3:18-22; etc. Jn 1:1-11:45,etc. (1,166 verses) | | 175-225 | - | - | - | P |  | - | - | - | - |  |  | **W** | - |  |  |  |  |  |  |  |
| 0189 Acts 5:3-21 (earliest N.T. parchment) (19 verses) | | 175-225 | - | - | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p45 Chester Beatty I, 4 gospels + Acts (833 verses) | | 200-225 | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| Green Collection #425 Rom 9:18-21 some Rom 10 | | early 3rd cent. | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p29 Acts 26:7-8,20 (3 verses) | | 200-225 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p30 1 Th 4:12-13,16-17, 5:3,8-10,12-18,25-28; 2 Th 1:1-2; 2:1,9-11 (25 verses) | | Early 3rd cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Ebionite *Recognitions of Clement* (=*Sinai Epitome*) | **134** | 211-231 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - |  |  | **W** |  |
| Bardaisan/Bardesan of Syria (heretical). Against Marcion & Valentinus. | **11.5** | 154-224/232 | - | - | - | - | - | **W** | - | **W** | - | - | - |  | - | - | - | - |  |  |  |  |
| Asterius Urbanus (against Montanists) | **2.75** | c.232 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Elchasaite Ebionites (said Jesus God’s Son) | **2.25** | before 235 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theodotus of Byzantium (Jesus born only a man) | **-** | Before 235 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Justin the Gnostic's *Book of Baruch* | **2.5** | 188-235 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |
| Naaseni Gnostics & their *Gospel of Thomas* | **3+*6*** | 188-235 | *P* | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | *-* | - |  |  |  |  |
| Hippolytus, pupil of Irenaeus (undisputed) | **218** | 222-235/236 | **W** | - | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | P | **W** | **W** | - | **W** | - | - | **W** | **W** | - |
| **Maximin Thrax persecutes Christians** | | **235-238** | First empire-wide persecution, but only of clergy. It stopped when he was killed. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Narrative of Zosimus* | **4.5** | before 240 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |
| Theodotus the probable Montanist | **7.75** | ca.240 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Instructions of Commodianus* | **16** | c.240 | **W** | - | **W** | - | - | **W** | - | **W** | **W** | **W** | - | - | - | - | - | P | - | **W** | - | **W** |
| Julius Africanus (undisputed writings) | **9** | 232-245 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| pseudo-Clement *Two Epistles on Virginity* | **5.75+*5*** | before 246 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | **I** |
| Ebionite *Protoevangelium of James* | **6** | 145-248 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |
| Heraclas of Alexandria 1st to be called a pope |  | 232-249 | No Roman bishop called a pope until the Council of Arles I in 314 A.D., Next was 347 A.D.. Siricius c.384-399 was the first Roman bishop to call himself a pope. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p137 Mk 1:7-9,16-18 | | 150-250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| "Revised Valentinian" *Tripartite Tractate* | **11** | 200-250 | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |
| p13 Heb 2:14-5:5;10:8-22;10:29-11:13;etc. 114 verses | | 225-250 | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p5 Jn 1:23-31,33-40; 16:14-20;20:11-17,19-20,22-25 | | early 3rd cent. | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| *Martyrdom of the Holy Martyrs* | **1.5** | before 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - |
| p1 Mt 1:1-9,12,14-20 (17 verses) | | 250 | - | - | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p22 Jn 15:25-16:2; 16:21-32 (17 verses) | | c.250 | - | - | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p91 Acts 2:30-37; 2:46-47; 3:1-2 | | 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p118 Rom 15:26-27,32-33; 16:1,4-7,11-12 | | 250 | - | - | - | - | **-** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p119 Jn 1:21-28,33-38,42-44 | | 250 | - | - | - | - | **-** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p121 Jn 19:17-19,25-26 | | 250 | - | - | - | - | **-** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p129 1 Cor 7:36-39;8:10;9:3,14-17;9:27-10:6 | | 250 | - | - | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p131 Rom 9:18-21; 9:22-10:3 | | 250 | - | - | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Nag Hamadi *Apocalypse of Peter* | **2.5** | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - |  | - |  |  |
| Hermias *Satire on Greek Philosophers* | **4.2** | 3rd century? | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Acts of Xanthippe, Polyxena, and Rebecca* | **12.5** | mid-3rd cent? | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - |  |
| Alexander of Cappadocia (Clem. A’.s pupil) | **0.75** | 233-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Bishop Stephen I of Rome *Letter to Antioch* | | 251 | Asked why Novatian did not know there should be only one bishop in Rome | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Sentences of Sextus* (partial) originally Pythagorean, modified by Christians. | **2** | before 253 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Origen (heterodox teacher) | **825.15** | 225-253/254 | **W** | - | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - |
| Origen’s *Prayer, Exhortation to Martyrdom* | **180** | 233-235 | **W** | - | - | - | - | - | - | **W** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Severe persecution by Decius and Gallus** | | **250-251 - 253** | 1st Christian schism. Could fallen Christians return or doomed forever – Novatian | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| First monks and hermits | | 250-251 | Peter the Hermit and others. Antony of Egypt (270-356 A.D.) was a bit later. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Novatian (his schism lasted over 200 years) | **38.5** | 250/254-257 | **W** | - | **W** | - | - | **W** | **W** | **W** | - | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - |
| *Treatise Against Novatian* | **6.5** | 254-256 | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | **W** | - | - | **W** | - |
| *Treatise on Rebaptism* | **11** | c.250-258 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Cyprian of Carthage (against Novatian) | **250.5** | c.246-258 | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | - | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - |
| Roman church leaders (letters 2,29,30) | **1+4.75** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Lucian et al. (letters 16, *21*) | **.875** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Caldonius to Cyprian (letter 18) | **0.4** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Celerinus to Lucian (letter 20) | **1.25** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Moyses, et al. to Cyprian (letter 25) | **2.5** | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Cornelius to Cyprian (letters 45,47) | **1.25** | c.246-256 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Maximus, et al. to Cyprian (letter 49) | **0.25** | c.246-256 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Firmilian of Caesarea to Cyprian (letter74) | **7.25** | 256 | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Nemesianus, et al. to Cyprian (letter77) | **0.75** | 254-257 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Lucius and the brethren to Cyprian (letter78) | **0.5** | 254-257 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Felix & the rest of the martyrs to Cyprian (79) | **0.25** | 254-257 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Seventh Council of Carthage (85 bishops) | **7.25** | 258 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Pontius’ *The Life and Passion of Cyprian* | **7.5** | 258 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *On the Public shows* (pseudo-Cyprian) | **8.67** | after 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| *On the Glory of Martyrdom* (pseudo-Cyprian) | **8.5** | after 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| *Of the Discipline and Advantage of Chastity* (pseudo-Cyprian) | **4.33** | after 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| *Exhortation to Repentance* (pseudo-Cyprian) | **3** | after 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **Valerian persecutes Christians** | | **257-260** | 2nd most severe persecution. Tolerant at first, but then Macrianus influenced him. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Theognostus of Alexandria (Origenist) | **0.5** | 260 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Gregory Thaumaturgus (undisputed works) | **28.5** | 240-265 | - | - | - | - | - | - | **I** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Dionysius of Alexandria (Origenist) | **39.5** | 246-265 | P | - | - | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - |
| *Letter of Hymenaeus* (*Letter of the Six Bishops*) | **1** | c.268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Dionysius of Rome (*Against the Sabellians*) | **1** | 259-269 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Malchion *(Against Paul of Samosata)* | **2.5** | 270 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Aurelian Persecution in the Roman Empire** | | **270** | At first tolerant, Aurelian died soon after he decided to persecute Christians. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Paul of Samosata, deposed bishop of Antioch | | 260-272 | Adoptionist Monarchian, said the *Logos* entered into Jesus at baptism. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p37 Mt 26:19-52 (34 verses) | | 225-275,c.260 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p49/p65 Eph 4:16-29; 4:31-5:13 (29/19 verses) | | 225-275,c.260 | - | - | - | - | - | - | **W** | **W** | **W** | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | **W** | - |
| p53 Mt 26:29-30; Acts 9:33-10:1 (23 verses) | | mid 3rd cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Pierius of Alexandria (fragment) | **0.5** | 275 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Mani & *Manichaean writings* (Augustine left this) Manes/Mani's father was an Elchasaite. | **5+17+** | c.278-c.500 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Anatolius of Alexandria (mathematician) | **7.5** | 270-280 | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Persian Varahran II persecutes Christians** | | **286** | Persecuted Jews, Christians, Hindus, Buddhists, Manichaeans, and others | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Ascension of Isaiah* by Jewish/Christian scribes | **11** | 150-3rd cent. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | - |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p80 Jn 3:34 (1 verse) | | 3rd century | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p95 Jn 5:26-29,36-38 (7 verses) | | 3rd century | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p106 Jn 1:29-35,40-46 (14 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p107 Jn 17:1-2,11 (3 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p108 Jn 17:23-24; 18:1-5 (7 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p109 Jn 21:18-20,23-25 (6 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p111 Lk 17:11-13,22-23 (5 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p113 Rom 2:12-13,19 (3 verses) | | 3rd century | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p114 Heb 1:7-12 (6 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p9 1 Jn 4:11-12,14-17, p35, p69 (6,8,9 verses) | | 3rd century | - | - | **?** | **?** |  | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p101 Mt 3:10b-12a; 3:16b-4:3 (6.5 verses) | | 3rd century | - | - | **-** | **-** | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p20 Jms 2:19-3:9 (17 verses) | | 3rd century | - | - | - | - |  | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p27/p40 Rom 1:24- (30/29 verses) | | 3rd century | - | - | **W** | **W** |  | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p133 1 Tim 3:13-4:8 (12 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - |
| p138 Lk 18:13-17,25-30 (11 verses) | | 3rd century |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Chester Beatty IX-X (Septuagint Ezekiel, Dan, Esther) Ezek 36:1-23b; 38-39; 37; 40-48; Susanna, etc. | | 3rd century |  |  |  | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p47 (= Chester Beatty III) 31% of Revelation. Rev 9:10-11:3; 11:5-16:15; 16:17-17:2 (similar to Sinaiticus) | | c.250-300 | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p115 Rev 2:1-3,13-15,27-29; 3:10-12; 5:8-9; 6:5-6; 8:3-8,11-13; 9:1-5,7-16,18-21; 10:1-4,8-11; 11:1-5,8-15,18-19; 12:1-5,8-10,12-17; 13:1-3,6-16,18; 14:1-3,5-7,10-11, 14-15,18-20; 15:1,4-7 (119 verses) (similar to A & C) | | c.250-300 | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |
| p28 Jn6:8-12,17-22 (11 verses), p110 Mt10:13-15,25-27 | | late 3rd cent. |  |  |  |  |  |  | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p70 Mt 2:13-16;2:22-3:1;11:26-27;12:4-5;24:3-6,12-15 | | late 3rd cent. | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p15/*p16* 1 Cor 7:18-8:4; Php 3:10-17; 4:2-8 42 verses | | late 3rd cent. | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p17 Hebrews 9:12-19 8 verses | | late 3rd cent. | - | - | - | - |  | - | - | - | - |  |  | - |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Theonas of Alexandria (*Letter to Lucianus*) | **3** | 282-300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p12 Heb 1:1 (1 verse) | | 285-300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **King Tiridates III of Armenia** | | **>287-300** | At first persecuted Christians, then became one through Gregory the Illuminator | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Estimated 5M or 14M Christians. World pop. 192M | | by 300 A.D. | per *Ante-Nicene Fathers* v.4 p.126 or *World Christian Trends: AD 30–AD 2200* p.97 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p18 Rev 1:4-7 (4 verses) | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p78 Jude 4-5,7-8 (4 verses) | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p100 Jms 3:13-4:4; 4:9-5:1 (20 verses) | | 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p125 1 Pet 1:23-2:5; 2:7-12 | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p130 Heb 9:9-12,19-23 | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p38+0162+0220+0232 13+12+6+9 verses | | ca.300 | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p102 Mt 4:11-12,22-23 | | ca.300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p39 John 8:14-22 (8 verses) | | 3rd,3/4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p132 Eph 3:21-4:2; 4:14-16 | | 3rd/4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p134 Jn 1:45-2:1 | | 3rd/4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 0312 Lk 5:23-24,30-31; 7:9,17-18 | | 3rd/4th cent. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| British Museum MS Oriental 7594 Sahidic Coptic Deuteronomy, Jonah, Acts | | 3rd/4th cent. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 0171 Mt 10:17-23,25-32; Lk 22:44-50,52-56,61,63-64 | | ca.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p72 (=Bodmer 7,8) All of 1,2 Peter, Jude (191 verses) | | ca.300 | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p92 Eph 1:10f,11-13,19-21; 2Th 1:4-5,11-12 (10 verses) | | ca.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p24 Rev 5:5-8; 6:5-8 (8 verses) | | early 4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| David/Dudi of Basra (=David of Charax) | | ca.300 | Persian/Arab missionary to southern India | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Hierax/Hieracas, Egyptian monk | | ca.300 | said only celibate could enter the kingdom of God. His Bible commentaries are lost. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Adamantius *Dialog on the True Faith in God* | **42** | c.300 | P | - | P | - | **W** | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Marcionite Megethius disputing Adamantius | **c.2** | c.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - |  |  |
| Marcionite Marcus disputing Adamantius | **c.2** | c.300 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - |  |  |
| Bardasene Marinus disputing Adamantius | **c.2** | c.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - |  |  |
| Valentinians Doserius & Valens vs. Adamantius | **c.2** | c.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - |  |  |
| Valentinian Letter of Peter to Philip | **1.75** | c.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Sinaitic Old Syriac (Syr S) **Mt** 1:1-6:10, 7:3-12:4, 12:6-25, 12:29-16:15, 18:11-20:24, 21:20-25:15, 25:17-20, 25-26, 25:32-28:7, **Mk** 1:12-44, 2:21-4:17, 5:1-26, 6:5-16:8, **Lk** 1:36-5:28, 6:12-24:52, **Jn** 1:25-47, 2:16-4:37, 5:6-25, 5:46-18:31, 19:40-end | | After Nicea | - | - | - | P |  | - | **I** | - | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Alexander of Lycopolis *Of the Manichaeans* | **12** | 301 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Arnobius Against the Heathen* (undisputed) | **126.5** | 297-303 | - | - | **W** | - | - | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Victorinus of Petau, Austria -commentator | **18.5** | martyred 304 | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | **W** | - | - | P | - | - | - | - | - | - |
| **Most severe persecution by Diocletian** | | **284, 303-305** | est. 5M Christians, some killed for not sacrificing. destroyed churches/scriptures | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Council of Elvira (21 undisputed canons) | **1** | 306/307 | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Phileas of Thmuis/Tmai, Egyptian Delta | **2.5** | beheaded 307 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Pamphilus disciple of Pierius (Origenist) | **2.75** | martyred 309 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Peter of Alexandria (undisputed) | **8.5** | 306,285-311 | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Creed of Lucian of Antioch | **0.3** | c.300-311 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Hesychius [Egypt],Pachomius,Phileas,Theodorus | **1** | martyred 311 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Donatus Magnus (Donatists) in North Africa |  | 311-411-533 | Refused to accept those who had ever surrendered their scriptures to authorities | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Methodius (corrected Origen’s followers) | **79.5** | 270-311/312 | **W** | **W** | P | **W** | - | **W** | - | **W** | - | **W** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Council of Ancyra (Marcellus & 11 other bishops) | **3.333** | 314 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Council of Arles I, France. All celebrate Easter on the same day. Ex-communicated Donatists. First mention of a pope in Rome. | **.333** | Aug. 314 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Council of Neocaesarea (Basil and others) | **1.333** | c.315 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Martyrdom of Habib the Deacon* by Theophilus | **5.5** | events c.315 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Athanasius *Against the Heathen* & *Incarnation* | **56** | 318 | **W** | - | **W** | P | - | - | **W** | **W** | - | **W** | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Licinius tyrannizes Christians in east Rom. Empire** | | **315-323** | Persecution because of politics, due to Christian support of his foe, Constantine. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Acts of Thomas* (early form) | **4** | pre-Nicene | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - |
| *Odes of Solomon*. quoted by Lactantius | **10** | 125-325 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Lactantius, tutor of Constantine’s son | **274** | c.303-320/325 | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | - | **W** | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | **W** | - | - | **W** |
| Lactantius’ *Epitome of the Divine Institutes* | **31.5** | c.303-320/325 | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Alexander of Alexandria-Origenist, undisputed | **11.5** | 313-326 | - | - | - | - | - | **W** | **W** | **W** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Eusebius *Demonstration of the Gospel + Chronicon + Letter to Carpasia* | **217.6**  **+54.9** | 318-325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Eusebius of Caesarea *Prep for the Gospel* | **375.7** | 318-325 | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Eusebius’ *Ecclesiastical History* | **c.404** | 318-325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Eusebius’ other works (Ps 51) | **3.21** | 318-325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Arian heresy spreads, starting in Alexandria | | c.318-523 | Arians believed that Jesus was God, but not the same substance as the Father. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **Constantine makes Christianity the official religion of the Roman Empire** | | **Fall-Winter 324** | Non-violently closed pagan temples so subjects would attend churches instead. Except that he executed the priests at Apollo's temple in Dydima in Asia Minor because they had told Diocletian to persecute Christians. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 91 Christian writer totals: all symbols except P’s + Eusebius of Caesarea prior to 325 A.D. | **4425+**  **1055.4** | up to 325: 20 | 13 | 4 | 11 | 10 | 5 | 26 | 18 | 26 | 12 | 25 | 8 | 6 | 4 | 7 | 6 | 6 | 6 | 8 | 6 | 5 |
| Ebionite heretic totals, all symbols except P's | **273.25** | up to 325: 6 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 |
| Gnostics, Encratites, Bardesan, all symbols except P's | **269.75** | up to 325: 6 | 4 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |  | 0 |
| Clement of Rome to Dionysius of Corinth, Vienna | **263** | up to 180: 11 | 1 | 0 | 1 | 3 | 0 | 6 | 3 | 3 | 3 | 3 | 1 | 0 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| *Irenaeus Against Heresies* to Scillitan Martyrs | **268.25** | 182-217: 15 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 2 | 1 | 1 |
| *Proof of Apostolic Preaching*, *Stromata* | **268.5** | 160-202: 12 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 |
| Athenagoras to Theophilus, Caius to Apollonius, rest of Clement of Alexandria, Asterius Urbanus | **263** | 177-232: 11 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 | 3 | 3 | 0 | 7 | 1 | 1 | 0 | 2 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 |
| Tertullian: *5 Books*, *Monogamy*, *Modesty;* Theodotus to Alexander of Cappadocia | **270.25** | 240-251: 12 | 2 | 0 | 1 | 1 | 0 | 2 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 2 | 0 | 0 |
| Hippolytus, Novatian & foes | **274** | 222-254: 15 | 2 | 0 | 1 | 1 | 0 | 3 | 2 | 2 | 1 | 2 | 1 | 2 | 2 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 2 | 0 |
| Cyprian of Carthage and friends | **271.75** | c.246-258: 14 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 |
| Origen’s *Prayer* and *Exhortation to Martyrdom, Pontius to Anatolius* | **268.5** | 233-280: 7 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 1 | 1 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 |
| Adamantius, Victorinus, Pamphilus to Athanasius, Lactantius’ *Epitome*, 2 Alexanders | **274.3** | 300-326: 12 | 2 | 1 | 1 | 2 | 1 | 2 | 5 | 2 | 1 | 4 | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| Christian writer, heretic, or Bible manuscript | Pages | Date A.D. | Si1 | Si 2 | Si 3 | Si 4 | Si 5 | Si 6 | Si 7 | Si 8 | Si 9 | Si 10 | Si 11 | Si 12 | Si 13 | Si 14 | Si 15 | Si 16 | Si 17 | Si 18 | Si 19 | Si 20 |

.[www.Biblequery.org/History/ChurchHistory/PreNiceneTeachingOnSinGrid.html](http://www.Biblequery.org/History/ChurchHistory/PreNiceneTeachingOnSinGrid.html). References at [www.Biblequery.org/History/ChurchHis/WhatEarlyChristiansTaughtOnExperienceAndPractice.html](http://www.Biblequery.org/History/ChurchHistory/WhatEarlyChristiansTaught.html).

by Steven M. Morrison, PhD. If you find what you think are any omissions or errors, please email webmaster@biblequery.org

**238 years Pre-Nicea I (97-325 A.D.) 269 entries,** including 17 missions, 22 non-Christian persecutions, 16 spurious works, and 34 spiritual counterfeits, 92 authors, 76 Bible copies

Apostolic period until Irenaeus 188 A.D. – 65 entries (67-2)

Irenaeus 188 A.D. until Decian persecution 251 A.D. – 73 entries (79-6)

Decian persecution until the Council of Nicea I (252-325 A.D.) - 131 entries (135-4)